Seat No. : _____

TF-108

M.A. Sem.-IV
May-2013
HINDI

511-Hindi Rangmanch

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

१. (अ) संस्कृत नाटक एवं रंगमंच का अटूट संबंध दर्शाते हुए उसके विकास पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

पाश्चात्य रंगमंच का परिचय दीजिए ।

(आ) संक्षेप में उत्तर दीजिए : ४

ड्रामा में संकलन त्रय

अथवा

पारसी थियेटर

२. (अ) हिंदी रंगमंच की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

हिंदी नाटकों के प्रकारों की चर्चा कीजिए ।

(आ) संक्षेप में उत्तर दीजिए : ४

प्रसाद के नाटक एवं रंगमंच

अथवा

भारतेंदु के नाटक

३. (अ) 'भारतेंदु नाटक एवं अभिनय को अविछिछ्न मानते थे ।' इस विधान के परिप्रेक्ष्य में 'अंधेर नगरी' की चर्चा कीजिए । १०

अथवा

'अंधेर नगरी' अपने यथार्थ के कारण आज भी प्रासंगिक है । सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(आ) संक्षेप में उत्तर दीजिए : ४

अंधेर नगरी प्रहसन है

अथवा

अंधेर नगरी में व्यंग्य

४. (अ) 'अंधायुग' में इतिहास का नवीनीकरण हुआ है । इस विधान को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । १०

अथवा

गीतिनाट्य-स्वरूप में 'अंधायुग' कहाँ तक खरा उतरता है ? समझाइए ।

(आ) संक्षेप में उत्तर दीजिए : ४

अंधायुग की संवाद कला

अथवा

अंधायुग शीर्षक की सार्थकता

५. (अ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : १०

(१) संस्कृत रंगमंच में नाटक का मूल किसमें है ? (प्रहसन, रुपक, एकांकी)

(२) पाश्चात्य रंगमंच का उद्‌भव कहाँ से मानते है ? (युनान, जर्मन, अफ्रिका)

(३) थियेटर ओफ डायनोसिस की संज्ञा किसने दी है ? (इतिहासकार, आलोचक, कहानीकार)

(४) नाटक की आत्मा क्या है ? (रस निष्पत्ति, भाव, अनुभाव)

(५) कौन से निबंध द्वारा हिंदी नाट्यालोचन का प्रारंभ हुआ ? (नाटक, चिंतामणी, नाट्यालोचन)

(६) भारतेंदु युगीन नाटककार _____ हैं । (काशीनाथ खत्री, शेक्सपीयर, मोहन राकेश)

(७) जविनका _____ कहते हैं । (बाह्यपटी, अंतःपटी, दृश्य-पट)

(८) वृंदावनलाल वर्मा _____ नाटककार थे । (सामाजिक, एब्सर्ड, ऐतिहासिक)

(९) जयशंकर प्रसाद का _____ नाटक है । (स्कंदगुप्त, आधेअधूरे, अंधायुग)

(१०) नाटक में गद्य के साथ पद्य को _____ स्वीकार कर प्रारंभ किया है । (भारतेंदु, भारती, सुरेंद्रवर्मा)

(ब) सही जोड़ मिलाइए : ४

क		**ख**	
(१)	शुद्रक	(१)	पारसी हिंदी रंगमंच
(२)	शेक्सपीयर	(२)	सत्य हरिशचंद्र
(३)	भारतेंदु	(३)	मेकबेथ
(४)	लक्ष्मीनारायण लाल	(४)	मृच्छ्‌कटिकम्